PRESS RELEASE
16-Days' Training of DSPs starts at CIMP

The 16-Days' Training of Probationers belonging to 56th to 59th batch of Bihar Police Service (BPS) was inaugurated in Chandragupt Institute of Management Patna today by Shri Amir Subhani, Additional Chief Secretary, Home Department, Govt. of Bihar. Shri Bhrigu Srinivasan, Addl. Director General of Police-cum-Director, Bihar Police Academy, Rajgir was the *Guest of Honour* on this occasion.

Shri Amir Subhani, in his inaugural address, gave the mantra of being "*Fair* and *Firm*" to the probationers in all their dealings and advised them to be people friendly, underlining that "*Fair* comes *first*". During an informal chat with the probationers, Shri Subhani expressed his delight over the professional diversity of the batch and said that this will help the department in harnessing their respective professional skills in appropriate wings/sections.

Shri Bhrigu Srinivasan; who also happens to be the Director of Bihar Police Academy, Rajgir; urged the probationers to effectively utilize this learning opportunity at this reputed institute and the most use of it.

CIMP Director, Dr. V. Mukunda Das, in his address exhorted the probationers to be more "humane" and come forward to help out the people. Dr. Das further said that all wrong-doers are very creative in their approach and therefore the police professionals need to adopt a doubly creative approach to catch them.

Noted Creative Thinker and Writer, Dr. Prasad Sundararajan, in his address termed the police as a kind of "embodiment" of God who, like him, have got the unique "privilege" to differentiate between the right and the wrong doers and see that the wrong-doers get punished. No other profession on this planet have this sort of privilege. He urged the probationers to live up to this "privilege" and discharge their duties "responsibly".

In this 16-Days training module on management, the probationers are being given exposure to areas like Human Behaviour, Relationship Management, Jurisprudence, Legal Concepts, Human Rights, Relation with Groups and Institutions, etc.

डीएसपी का 16-दिनों का प्रशिक्षण CIMP से शुरू हुआ

बिहार पुलिस सेवा (बीपीएस) के 56 वें से 59 वें बैच के प्रोबेशनर्स के 16-दिवसीय प्रशिक्षण का उद्घाटन आज चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना में बिहार सरकार के गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अमीर सुभानी द्वारा किया गया। श्री भृगु श्रीनिवासन, बिहार पुलिस अकादमी के महानिदेशक, सह–निदेशक- राजगीर भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

श्री अमीर सुभानी ने अपने उद्घाटन भाषण में प्रशिक्षुओं को अपने सभी व्यवहारों में "निष्पक्ष और दृढ़" होने का मंत्र दिया और उन्हें लोगों के अनुकूल होने की सलाह दी। प्रोबेशनरों के साथ अनौपचारिक बातचीत के दौरान, श्री सुभानी ने बैच की पेशेवर विविधता पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि इससे विभाग के विभिन्न प्रभागों में अपने संबंधित पेशेवर कौशल को करने में मदद मिलेगी।

श्री भृगु श्रीनिवासन, बिहार पुलिस अकादमी के महानिदेशक, सह–निदेशक- राजगीर इस प्रतिष्ठित संस्थान में इस सीखने के अवसर का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए परिवीक्षकों से आग्रह किया और इसका सबसे अधिक उपयोग करने को कहा।

CIMP के निदेशक, डॉ0 वी0 मुकुंद दास ने अपने संबोधन में प्रोबेशनर्स को और अधिक "मानवीय" होने का आह्वान किया और लोगों की मदद के लिए आगे आए। डॉ0 दास ने आगे कहा कि सभी अपराधी अपने दृष्टिकोण में बहुत रचनात्मक हैं और इसलिए पुलिस पेशेवरों को उन्हें पकड़ने के लिए एक दोहरे रचनात्मक दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता है।

प्रख्यात विचारक और लेखक, डॉ0 प्रसाद सुंदरराजन ने अपने संबोधन में पुलिस को भगवान का एक प्रकार का "अवतार" करार दिया, जिसने उन्हें और सही कर्ताओं के बीच अंतर करने और देखने के लिए अद्वितीय "विशेषाधिकार" प्राप्त किया है। गलत करने वालों को सजा मिलती है। इस ग्रह पर किसी अन्य पेशे का इस तरह का विशेषाधिकार नहीं है। उन्होंने प्रोबेशनरों से इस "विशेषाधिकार" पर जीने और अपने कर्तव्यों का निर्वहन "जिम्मेदारी से" करने का आग्रह किया।

प्रबंधन पर इस 16-दिवसीय प्रशिक्षण मॉड्यूल में, परिवीक्षकों को मानव व्यवहार, संबंध प्रबंधन, न्यायशास्त्र, कानूनी अवधारणाओं, मानवाधिकार, समूहों और संस्थानों के साथ संबंध, आदि जैसे क्षेत्रों के लिए जोखिम दिया जा रहा है।